Nai Dunia (Indore), 12th September 2021, Page-5

आइआइटी छोटे संस्थानों को आगे बढ़ाने में करें मदद

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और उद्यम (एमएसएमई) मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा शनिवार को आइआइटी इंदौर पहुंचे। मध्य प्रदेश विज्ञान सम्मेलन की प्री-कांफ्रेंस में सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम विषय पर बात करते हुए उन्होंने एनआइआरएफ में संस्थान को 13वीं रैंक प्राप्त होने पर बधाई दी और बोले बड़े संस्थानों का सबसे ज्यादा लाभ स्थानीय विद्यार्थियों और जनता को मिलता है। आइआइटी इंदौर इलेक्ट्रिक व्हीकल, प्राकृतिक संसाधन और विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर शोध कर रहा है। इससे नए रोजगार की संभावनाएं भी बन रही है। संस्थान को अपने साथ ही अन्य छोटे शिक्षण संस्थानों को भी बेहतर करने पर काम करना चाहिए। उन्हें आगे बढ़ाकर हम आत्मनिर्भर भारत के सपने को जल्द पूरा कर सकते हैं। एमएसएमई से सबसे ज्यादा रोजगार पैदा हो सकते हैं। इसमें प्रति एकड़ जमीन पर 30 से 40 युवाओं को रोजगार मिलता है।

आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने कहा कि आइआइटी इंदौर संस्थान के विकास के साथ आम जनता का भी ध्यान रखता है और समाज को लाभ पहुंचाने वाले शोध भी हम करते रहते हैं। प्रदेश में आइआइटी, आइआइएम होने के साथ ही तीन ट्रिपल आइटी भी है, जिससे प्रदेश में कई महत्वपूर्ण काम कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र भी काफी है। हम नए तरह के मेडिसिन प्लांट और प्राकृतिक संसाधनों में से और भी बहुत कुछ नया तलाश कर सकते हैं। सेमीकंडक्टर और चिप के लिए हमें चीन जैसे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। इन क्षेत्रों में काम करके हम खुद के उत्पाद तैयार कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। विद्यार्थियों को शोध और आंत्रप्रेन्योर बनाने के लिए शिक्षण संस्थानों को और जोर देने की जरूरत है। मध्य प्रदेश विज्ञान सम्मेलन के संयोजक प्रो. संतोष विश्वकर्मा ने कहा, दिसंबर में होने जा रहे विज्ञान सम्मेलन के पूर्व कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

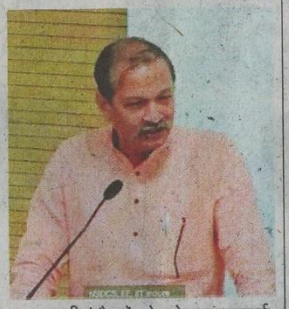

आइआइटी इंदौर में प्रदेश के एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा। ● नईदुनिया

आग्रह

- **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री सखलेचा ने की चर्चा**
- **मप्र विज्ञान सम्मेलन की प्री-कांफ्रेंस में सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम पर बात**